Construction of Rail Yatri Niwas in Hyderabad and Secunderabad

1922. SHRI V. HANUMANTHA RAO: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether there are any proposals under consideration to construct Rail Yatri Niwas lodges in Hyderabad and Secunderabad;

(b) if so, the details thereof; and

(c) the stepi being taken to meet the needs of rail passengers for accommodation ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI K. C. LENKA) : (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) Public Retiring Rooms have been provided at most of the large and medium stations where rail users can stay on payment of prescribed charges.

दिल्ली से रायपुर तक सुपरफास्ट रेल

1923. **श्री लक्खीराम अग्रवाल** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का छत्तीसगढ़ के यात्रियों के हितों को ध्यान में रखते हुए दिल्ली से रायपुर (मध्य प्रदेश) तक कोई सुपरफास्ट रेल चलाने की सुविधा को स्वीकृति प्रदान करने का विचार है ;

(ख) यदि हां, तो इस रेल के कब तक चलाए जाने की संभावना है ; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं और सुपरफास्ट रेल चलाए जाने के क्या मानदण्ड हैं ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० सी० लेंका) : (क) जी नहीं ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

(ग) संसाधनों की कमी । बड़ी लाइन की जिन गाड़ियों की औसत गति 55 कि० मी० प्रति घंटा और इससे अधिक हो, उन्हें सुपरफास्ट गाड़ियों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है ।

नए इलैक्ट्रिक इंजनों का निर्माण ।

1924. **श्री रामनरेश यादव** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) रेलवे में और अधिक सुधार करने तथा इसके आधुनिकीकरण के लिये सरकार द्वारा विचार किये जाने वाले प्रस्तावों/किये जाने वाले उपायों का ब्यौरा क्या है और नये इलैक्ट्रिक इंजनों के निर्माण के लिये क्या कदम उठाये जायेंगे; और

(ख) भविष्य में इंजनों के निर्माण के लिये खोले जाने वाले केन्द्रों की संख्या कितनी है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० सी० लेंका) : (क) भारतीय रेलों पर आधुनिकीकरण और सुधार करना एक सतत् प्रक्रिया है, अन्य कार्यों में आधुनिकीकरण और सुधार से संबंधित कुछ उपायों में भाप कर्षण को तेजी से सेवा से हटाना, विद्युतीकरण, आमान परिवर्तन, चल स्टाक का आधुनिकीकरण यात्री आरक्षण प्रणाली का कंप्यूटरीकरण, "अपने माल डिब्बे का स्वयं मालिक बनो" योजना शुरू करना आदि शामिल हैं। चितरंजन रेल इंजना कारखाने और भेल/झांसी में नये बिजली रेल इंजनों का निर्माण किया जा रहा है ।

(ख) रेलवे क्षेत्र में बिजली रेल इंजनों के निर्माण के लिये फिलहाल कोई नई इकाई स्थापित किये जाने का प्रस्ताव नहीं है ।